

जनजातीय गौरव दविस

चर्चा में क्यों?

10 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दविस के रूप में घोषित करने को मंजूरी दी है। 15 नवंबर झारखंड राज्य का स्थापना दविस भी है।

प्रमुख बदि

- मंत्रिमंडल की यह घोषणा आदवासी समुदायों के गौरवशाली इतहास और सांस्कृतिक वरिसत को स्वीकृत प्रदान करती है। यह जनजातीय गौरव दविस हर साल मनाया जाएगा और सांस्कृतिक वरिसत के संरक्षण एवं वीरता, आतथिय तथा राष्ट्रीय गौरव के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लयि आदवासियों के प्रयासों को मान्यता देगा।
- यह दनि वीर आदवासी स्वतंत्रता सेनानयियों की स्मृतिको समर्पति है, ताका आने वाली पीढ़ियों देश के प्रति उनके बलदिनों के बारे में जान सकें।
- जनजातीय गौरव दविस समारोह के हसिसे के रूप में केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मलिकर आदवासी समाज, संस्कृति, वरिसत, स्वतंत्रता संग्राम में आदवासी समाज के योगदान के गौरवशाली इतहास को प्रदर्शति करने के लयि 15 नवंबर से 22 नवंबर तक एक सप्ताह का उत्सव शुरू करेगी।
- उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर, 1875 को जन्मे बरिसा मुंडा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था की शोषक प्रणाली के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और 'उलगुलान' (क्रांति) का आहवान करते हुए ब्रिटिश दमन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कयि था।
- गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने 2016 के स्वतंत्रता दविस पर राँची सहति पूरे भारत में 10 आदवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों की स्थापना को मंजूरी दी थी। राँची की पुरानी जेल, जहाँ बरिसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी, को संग्रहालय के रूप में पुनर्रिमति कयि जा रहा है।